हिन्दुस्थान समाचार
Hindusthan Samachar
स्थापित – 1948
सत्य संवाद सेवा
बहुभाषी न्यूज एजेंसी

डॉ. राजेन्द्र सिंह की पुस्तक 'अरावली पर नया संकट' अमेरिका से प्रकाशित

17 Feb 2026 20:19:53

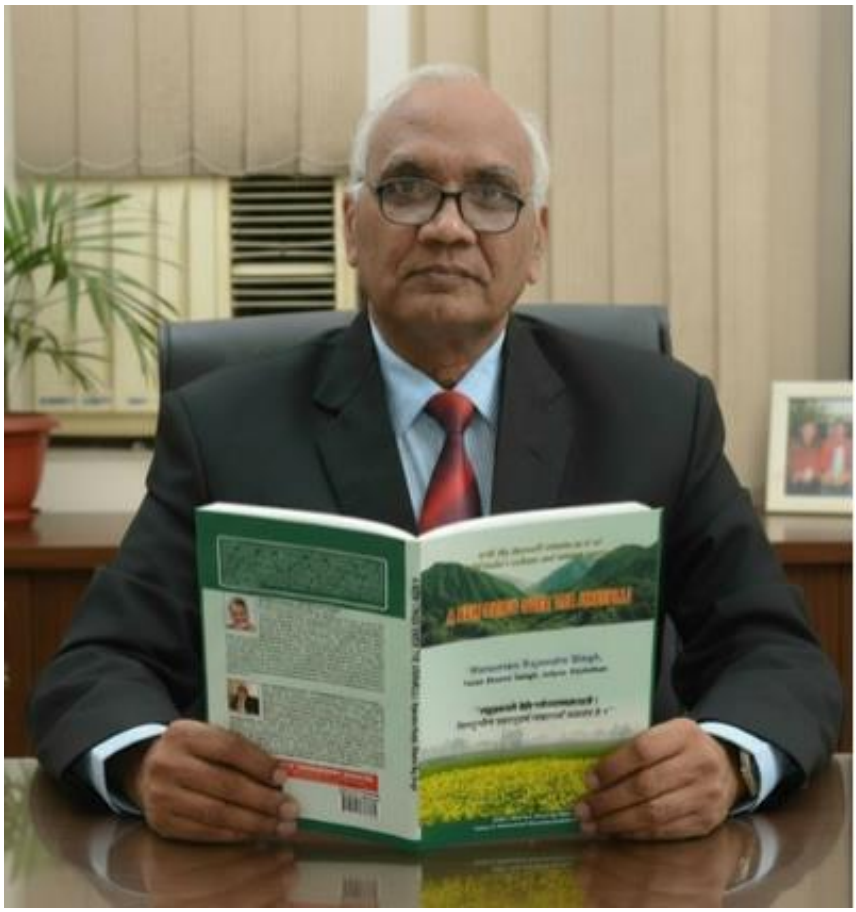

लखनऊ, 17 फरवरी (हि.स.)। अरावली पर्वतमाला पर मंडरा रहे नए और गंभीर संकट को लेकर लिखी गई पुस्तक “अरावली पर नया संकट” का अंग्रेज़ी संस्करण अमेरिका की लूलू पब्लिकेशन से प्रकाशित हुआ। पुस्तक के लेखक देश के प्रख्यात जल-संरक्षण कार्यकर्ता और ‘जलपुरुष’ डॉ. राजेन्द्र सिंह हैं, जबकि संपादन पर्यावरणविद् एवं स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज़, लखनऊ के महानिदेशक (तकनीकी) प्रो. (डॉ.) भरत राज सिंह ने किया है।

पुस्तक में अरावली पर्वतमाला के समक्ष उभरते खतरों, अवैध खनन, पर्यावरणीय कानूनों में शिथिलता और नीतिगत असंतुलन के दुष्परिणामों का विस्तार से उल्लेख किया गया है। इसमें बताया गया है कि अरावली के क्षरण से जलस्रोत सूख रहे हैं, वन क्षेत्र घट रहा है और पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ रहा है।

डॉ. राजेन्द्र सिंह ने कहा कि अरावली केवल पहाड़ों की श्रृंखला नहीं, बल्कि उत्तर और पश्चिम भारत की जल-सुरक्षा की रीढ़ है। इसके नष्ट होने से भूजल स्तर तेजी से गिर रहा है, कृषि संकट गहरा रहा है और ग्रामीण युवाओं के सामने रोज़गार का संकट खड़ा हो रहा है। उन्होंने चेताया कि यदि अभी ठोस कदम नहीं उठाए गए तो इसके दूरगामी सामाजिक और आर्थिक दुष्परिणाम सामने आएंगे।

वहीं संपादक प्रो. (डॉ.) भरत राज सिंह ने मंगलवार को बताया कि अरावली का संकट केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जल-सुरक्षा, खाद्य-सुरक्षा और भावी पीढ़ियों के अधिकारों से जुड़ा राष्ट्रीय प्रश्न है। उन्होंने सरकार और समाज से मिलकर संरक्षण की ठोस रणनीति अपनाने की अपील की।

हिन्दुस्थान समाचार / रोहित कश्यप

---

https://www.hindusthansamachar.in//Encyc/2026/2/17/-BOOK-NEW-CRISIS-ON-ARAVALI-WAS-PUBLISHED-AMERICA.php#google_vignette